

# राजपत्र, हिमाचल प्रदेश

# (असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्यशासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, वीरवार, 18 अप्रैल, 1991/28 चंत्र, 1913

### हिमाचल प्रदेश सरकार

पर्यटन विभाग

#### ग्रधिसूचनाएं

शिमला-171002, 6 अप्रैल, 1991

संख्या 6-37/88-पर्यटन (सचि०)-I.—यत: हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल को यह प्रतीत होता है कि हिमाचल प्रदेश सरकार को सरकारी व्यय पर सार्वजनिक प्रयोजनार्थ नामत: महाल सनौरा, मौजा ढुगयारी, तहसील व जिला कांगड़ा में हवाई पतन (एयर पोर्ट) गगल के निर्माण हेतु भूमि प्रजित करनी श्रत्यावश्यक श्रपेक्षित है, श्रतएव एतद्द्वारा यह श्रिधसूचित किया जाता है कि उक्त परिक्षेत्र में जैसा कि नीचे विवरणी में निर्दिष्ट किया गया है उपरोक्त प्रयोजन के लिए भूमि का अर्जन श्रपेक्षित है।

- 2. यह अधिसूचना ऐसे सभी व्यक्तियों को जो इस से सम्बन्धित हो सकते हैं की जानकारी के लिए भूमि अर्जन अधिनियम, 1894 की धारा 4 के उपबन्धों के अन्तर्गत जारी की जाती है।
- 3. पूर्वोक्त धारा द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश इस समय इस उपक्रम में कार्यरत सभी श्रिधिकारियों, उनके कर्मचारियों एवं श्रिमिकों को इलाके की किसी भी भूमि में प्रवेश करने तथा सर्वेक्षण करने और उस धारा द्वारा अपेक्षित या अनुमत सभी अन्य कार्यों को करने के लिए सहर्ष प्राधिकृत करते हैं।

4. श्रत्यधिक श्रावश्यकता को दृष्टि में रखते हुए, राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश उक्त श्रिधिनियम की धारा 17 की उप-धारा (4) के ब्रधीन यह भी निदेश देते हैं कि उक्त श्रिधिनियम की धारा 5-ए क उपबन्ध इस मामल में लाग नहीं होंगे।

जेला : कांगड़ा		विवरणा	तहसील :	कांगड़ा
गांव	and manifested must been seen paper (gand stand breed) to the or of seen, or result or the seen of the seen of	खसरा नम्बर	रक्बा	हैक्टेयरों में
महाल सनौरां	الله ويدين فيناه الله الله الله الله الله الله الله ا	تنت النت لتبية تقيد التوليقية باسم بمن يمين أمين النب النب النب النب النب النب النب التناقبية	التواقع ويستوني ويستون ويستون المستون والمستون المستون والمستون والمستون والمستون والمستون والمستون والمستون والمستون	وهده والمد أدخان وسيم أكساسين الا
		488/1	0	02 98
		490/1	0	11 25
		824/495/1 496/1	0	01 09
		496/1	0	00 20
	कुल	4	0	15 52

## शिमला-171002, 6 ग्रप्रैल, 1991

संख्या 6-37/88-पर्यटन (सिच्0)-I.—यतः हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल को यह प्रतीत होता है कि हिमाचल प्रदेश सरकार को सरकारी व्यय पर सार्वजिनक प्रयोजनार्थ नामतः महाल भेड़ी, मौजा वण्डी, तहसील व जिला कांगड़ा में हवाई पतन (एयर पोर्ट) गगल के निर्माण हेतु भूमि अजित करनी अत्यावश्यक अपेक्षित है, अत्र एतद्द्वारा यह अधिसूचिश किया जाता है कि उक्त परिक्षेत्र में जैसा कि नीचे विवरणी, में निर्दिष्ट किया गया है उपरोक्त प्रयोजन के लिए भूमि का अर्जन अपेक्षित है।

- 2. यह ग्रिधिसूचना ऐसे सभी व्यक्तियों को जो इस से सम्बन्धित हो सकते हैं की जानकारी के लिए भूमि ग्रर्जन ग्रिधिनियम, 1894 की धारा 4 के उपबन्धों के ग्रन्तर्गत जारी की जाती है।
- 3. पूर्वीक्त धारा द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश इस समय इस उपक्रम में कार्यरत सभी अधिकारियों, उनके कर्मचारियों एवं श्रमिकों को इलाके की किसी भी भूमि में प्रवेश करने तथा सर्वेक्षण करने और उस धारा द्वारा अपेक्षित या अनुमत सभी अन्य कार्यों को करने के लिए सहर्ष प्राधिकृत करते हैं।
- 4. ग्रात्यधिक ग्रावश्यकता को दृष्टि में रखते हुए, राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश उक्त ग्रिधिनियम की, धारा 17 की उप-धारा (4) के ग्रधीन यह भी निदेश देते हैं कि उक्त ग्रिधिनियम की धारा 5-ए के उपबन्ध इस मामले में लागू नहीं होंगे।

विवरणी

जिला: कांगड़ा		तहसील : कांगड़ा
गांव	खसरा नम्बर	रकबा हैक्टेयरों, 3 4 5
I	2	3 4 5
महाल भेड़ी	13/2	0 16 48
	48	0 12 66
	49	0 00 21

1		2	3 4 5
		50	0 00 24
•		51	0 00 45
₩ <b>.</b>	3 :	52	0 00 25
		53	0 00 40
ε		54/2	0 13 2
4.0		55/2	0 04 8
1.	n	56/2	0 03 8
		45/1	0 00 3
	कुल	11	0 52 9

#### शिमला-171002, 6 श्रप्रैल, 1991

संख्या 6-37/88-पर्यटन (सचि०)-I.—यतः हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल को यह प्रतीत होता है कि हिमाचल प्रदेश सरकार को सरकारी व्यय पर सार्वजिनक प्रयोजनार्थ नामतः महाल रख्यालू, मौजा वण्डी, तहसील व जिला कांगड़ा में हवाई पतन (एयर पोर्ट) गगल के निर्माण हेतु भूमि ग्र्जित करनी ग्रत्यावश्यक ग्रपेक्षित है, ग्रतएव एतद्द्वारा यह ग्रिधिसूचित किया जाता है कि उक्त परिक्षेत्र में जैसा कि नीचे विवरणी में निर्दिष्ट किया गया है उपरोक्त प्रयोजन के लिए भूमि का ग्रजन ग्रपक्षित है।

- 2. यह ग्रधिसूचना ऐसे सभी व्यक्तियों को, जो इस से सम्बन्धित हो सकते हैं की जानकारी के लिए भूमि ग्रर्जन ग्रधिनियम, 1894 की धारा 4 के उपबन्धों के ग्रन्तर्गत जारी की जाती है।
- 3. पूर्वोक्त धारा द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश इस समय इस उपक्रम में कार्यरत सभी अधिकारियों, उनके कर्मचारियों एवं श्रमिकों को इलाके की किसी भी भूमि में प्रवेश करने तथा सर्वेक्षण करने और उस धारा द्वारा अपेक्षित या अनुमत सभी अन्य कार्यों को करने के लिए सहर्ष प्राधिकृत करते हैं।
- 4. ग्रत्यधिक ग्रावश्यकता को दृष्टि में रखते हुए, राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश उक्त ग्रिधिनियम की धारा 17 की उप-धारा (4) के ग्रिधीन यह भी निदेश देते हैं कि उक्त ग्रिधिनियम की धारा 5-ए के उपवन्ध इस मामल में लागू नहीं होंगे।

#### विवरणी

जिलाः कांगड़ा	يون الله بعد الله المعادلة الله الله الله الله الله الله الله ال		तहसील	: কা	<b>ग</b> ड़ा
गांव		खसरा नं 0	रकबा	है <b>वटे</b> यर 4	
1	ر. در میکنان در این در در این در	2	3	- <del>-</del> -	5
महाल रछयालू		726/1	0	05	96
	$\frac{\sqrt{2}}{2\pi}\frac{\sqrt{2}}{2}$	729/1 730	0	$\begin{array}{c} 03 \\ 00 \end{array}$	41 42
		731	0	01	75

774	श्रसाधारण राजपक, हिमाचल श्रदेश, 18 अप्रैल, 1991/28 <b>चैत्र</b> , 191	3
1	2	3 4 5
	732	0 01 52
	733	0 02 31
	734	0 06 39
	735	0 08 72
	736/1	0 01 05
	737	0 15 13
	738/1	0 12 35
	739	0 02 63
	. 740	0 09 43
	741	0 01 35
	742	0 12 93
	743/1	0 05 03
	744/2	0 12 95
	745/2	0 06 48
	750	0 06 79
	751/2	0 13 66
	756	0 00 56
	757/1	0 03 81
	759	0 04 28
	760/2	0 07 86
	761/2	0 02 83
	782/1	0 07 65
	783/3	0 09 22
	785	0 00 75
	791/2	0 00 27
	792/2	0 01 79
	793/2	0 02 22
	794	0 01 37
	795	0 05 27
	796	0 02 15
	797	0 08 98
	798	0 14 08
	799	0 02 07
	800	0 02 07
	801	0 02 13
	801	0 02 13

802

803

804

805

806

807

808/1

809 810/1 834/1 0 08 20

00 42

81

54

. 0

0 00

0 01

0 01

0 08

0 01 36 0 07 31

0 01

01 0 85

	बसाघ।रण	राजपन्न,	हिमाचझ	प्रदेश,	18 भ्रप्रैल	, 1991/28 <del>चैत्र</del> ,	1913		7	75
1						2		3	4	5
						926/1		0	03	80
				•		931		0		19
						932		0		84
						933		0		
						934/1		0		25
						935/1		0		23
						936		0	00	88
						937		0	12	
						938		0	01	00
						939		0	03	78
						940		0	05	
						941		0	00	
						942		0	07	65
						943		0	01	
						944		0	02	40
w.						945		0	01	1€
						946		0	12	43
						947		0		
						948/2		0	10	
						949/2		0	09	
3						964/2		3	03	
			3.2			965/2		0		
te.						968/2		0		
*		41				969		0	03	3 0
						970/2		0		1 1
						971		0	0 4	
						972		0		
						973		0		
						974		0		
					Ŀ	975		0		
						976		0		
	·			3		977		0		
	19					978/2		0		6
						979/2		0		3
					,	980		0		
					•	981		0	01	
						982/1		0		
	ę.					1 03 9/	2/1	0		9"
						1040/	1	0	00	
*						1048		0	01	
						1049	1-	0	01	1000
						1050/	2	0		
						1051/	2	0	U2	

776

1		2	3	4	5
		1052/2	0	00	90
,		1053/2	0	03	66
		1054/1	0	03	58
		1057/2	0	05	5 1
		1060/2/1	0	05	88
		1054/3/1	0	02	64
		1061/1	0	02	49
		1062/2/1	0	04	78
		1067/2/1	0	00	82
	 कुल	101	4	 58	68

श्रादेश द्वारा, के0 सी0 शर्मा, श्रायुक्त एवं सचित्र।

नियन्त्रक, मुद्रण तथा लेखन सामग्री, हिमाचल प्रदेश, शिमला-5 द्वारा मुद्रित तथा प्रकाशित ।